युवा अपनी शक्ति को चरित्र निर्माण में लगाये

[वेबिनार : 'प्रज्वलित युवा शक्ति' विषय पर]

भद्रक-ओडिशा। ब्रह्माकुमारीज़ के युवा प्रभाग द्वारा 'प्रज्वलित युवा शक्ति' विषयक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता राजयोगी ब्र.कु. आत्मप्रकाश,मा.आबू ने कहा कि युवाओं के भीतर में छुपी हुई शक्ति को पहचानना और उसे श्रेष्ठ चरित्र निर्माण में तथा मूल्यनिष्ठ समाज के लिए प्रयोग करना अत्यंत ज़रूरी है। ब्र.कु. कृति,अहमदाबाद ने अपने जीवन के अनुभव से सभी को प्रेरित किया। खेल जगत से जुड़े चिन्मय बेहरा ने राजयोग को युवा जीवन में एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में लेना अनिवार्य बताया। ब्र.कु. अस्मिता ने सभी को राजयोग की गहन अनुभूति कराई। ब्र.कु. मासंत,बालेश्वर ने अपने मधुर एवं जोशपूर्ण संगीत से युवाओं में उत्साह का संचार किया। वेबिनार में ब्र.कु. मधुस्मिता, प्रिन्सीपल एस.पी.एस., युवा संगठन के मुख्य स्वाधीन दास, ब्र.कु. मंजू,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका, ब्र.कु. सावित्री,संचालिका,बेतनटी की सहभागिता रही। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. सौभाग्य ने किया।

24 अक्टूबर, यू.एन.ओ. की 75वीं वर्षगांठ पर...

संयुक्त राष्ट्र संघ की मान्यता प्राप्त एन.जी.ओ.-ब्रह्माकुमारीज़ की प्रतिनिधि का सम्बोधन

आंतरिक और बाह्य शांति वाली दुनिया हो - ब्र.कु. जयंती

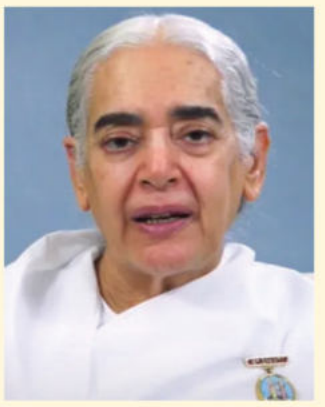

न्यूयॉर्क-यू.एस.ए.। ब्रह्माकुमारीज़ की यूरोप स्थित सेवाकेन्द्रों की निदेशिका एवं संयुक्त रास्ट्र के एन.जी.ओ. की प्रतिनिधि के रूप में संयुक्त राष्ट्र की 75वीं वर्षगांठ पर राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने अपने विचार सभी के साथ साझा किए। दीदी ने दुनिया में संतुलन और एकजुटता की स्थिति बनाए रखने के लिए यू.एन.ओ. को बधाई देते हुए कहा कि इसने हमें एक बड़ी और शांतिपूर्ण दुनिया दी है। उन्होंने दो सवाल रखे कि हमें किस तरह की दुनिया और किस तरह का यूनाइटेड नेशन चाहिए। दीदी ने एक ऐसी दुनिया की कल्पना की जहाँ लोगों की आवाज़ सुनी जाए, जहाँ समानता हो, जहाँ धरती हरी-भरी और स्वस्थ हो और जहाँ लोगों की भीतरी दुनिया और बाहरी दुनिया दोनों जगह शांति हो। संयुक्त राष्ट्र एक ऐसी अविश्वसनीय संस्था है जिसके माध्यम से यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और यूनेस्को की प्रास्तावना में उन शब्दों पर प्रकाश डाला जिसमें कहा गया है कि व्यक्ति की गरिमा सर्वोपरि है। इसमें कहा गया है कि युद्ध मनुष्य के मन में शुरू होता है जबकि उसमें शांति की संभावना भी होती है। यह एक गहन आध्यात्मिक आधार है। शांति, मानवीय गरिमा और हर जगह संभव विकास एवं उत्थान के लिए संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य बहुत ही आध्यात्मिक है। ब्र.कु. जयंती ने आगे कहा कि तकनीकी और भौतिक प्रगति के बावजूद हम सतत् विकास लक्ष्यों एवं एसडीजी को प्राप्त नहीं कर पाए हैं। यह जीवन के क्षेत्र में और प्रमुख सरकारी नीतियों और निर्णयों में आध्यात्मिक सिद्धान्तों को लाने का समय है। तभी एक बेहतर विश्व की कल्पना की जा सकती है। भीतर होने वाला परिवर्तन निश्चित रूप से बाहर भी महसूस किया जा सकता है।

भावना रहित मनुष्य को शांति व सुख नहीं मिल सकता : ब्र.कु. मंजू

बिलासपुर-टिकरापारा(छ.ग.)। पतंजलि द्वारा आयोजित 28 दिवसीय राज्य स्तरीय 'योग प्रशिक्षण शिविर' के चार सत्रों को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. मंजू दीदी ने कहा कि भक्ति का अर्थ है भावना। जिसका मन और इन्द्रियां वश में नहीं हैं, भोगों में जिनकी आसक्ति होती है उनमें भावना नहीं होती और भावना रहित मनुष्य की बुद्धि का स्थिर रहना तो दूर, वह परमात्म स्वरूप का चिंतन भी नहीं कर सकता। परमात्म चिंतन न होने से मनुष्य का मन राग, द्वेष, काम, क्रोध, लोभ, ईर्ष्या आदि से व्याकुल रहता है, अतः उसे शांति की अनुभूति नहीं हो सकती। दीदी ने कहा कि कामनाओं में विघ्न पड़ने से मनुष्य के मन में क्रोध की उत्पत्ति होती है और क्रोध से स्मृति, ज्ञान व बुद्धि का नाश हो जाता है, जिससे व्यवहार में कटुता आ जाती जो मनुष्य के पतन का कारण बनता है। इसलिए कामना, क्रोध व अहंकार योगियों के महान शत्रु हैं, इन्हें नियंत्रण किए बिना स्थिर बुद्धि नहीं बन सकते। इसके साथ ही दीदी ने सभी को आसन-प्राणायाम तथा राजयोग की अनुभूति भी कराई। अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक के रूप में छ.ग. योग आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पतंजलि के मध्य भारत एवं नेपाल प्रभारी संजय अग्रवाल तथा भारत स्वाभिमान न्यास,छ.ग. के प्रांतीय प्रभारी देवीलाल पटेल भी उपस्थित रहे।

नवरात्रि - अज्ञान अंधकार को समाप्त करने का पर्व

इंदौर-म.प्र.। नवरात्रि के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान शिखर ओम शांति भवन में ग्यारह दिवसीय ऑनलाइन विशेष अनुभूति कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। इस मौके पर क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. कमला दीदी ने कहा कि नवरात्रि के दिनों में विशेष योग साधना कर बुद्धि रूपी कलश में सकारात्मक चिंतन कर मूल्यों को भरें और बुराइयों को जीवन से समाप्त करने का व्रत लें। क्षेत्रीय समन्वयक ब्र.कु. हेमलता दीदी ने कहा कि शिव पिता परमात्मा इस धरा पर आते हैं तो ज्ञान-कलश नारी शक्ति के ऊपर रखते हैं। साधारण कन्याओं, माताओं के अंदर अपनी सर्व शक्तियां भर कर उन्हें शिव शक्ति स्वरूपा बनाकर विश्व परिवर्तन के कार्य में निमित्त माध्यम बनाते हैं। जो कि वर्तमान समय प्रैक्टिकल में इस धरती पर परमात्मा शिव और शक्तियों का कार्य चल रहा है। रामबाग क्षेत्र की संचालिका ब्र.कु. छाया ने कहा कि नव-रात्रि, नव अर्थात् नवीनता, जीवन में नये उमंग उत्साह, नई प्रेरणा के साथ कुछ नया करना। रात्रि अर्थात् जीवन में अज्ञान अंधकार जब व्याप्त हो जाता है, तब ऐसे समय पर ज्ञान सूर्य परमात्मा पिता स्वयं अवतरित होकर धरा से अज्ञानता का अंधकार समाप्त करते हैं। इस मौके पर भिलाई की क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. आशा, उज्जैन की क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. उषा, इंदौर शक्तिनिकेतन छात्रावास की संचालिका ब्र.कु. करुणा, ब्र.कु. अनिता आदि बहनें उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. उषा ने किया। सभी ने अपने-अपने स्थान से ही कार्यक्रम का भरपूर लाभ लिया।

आगरा-उ.प्र.। आर्ट गैलरी में नवरात्रि के अवसर पर आयोजित चैतन्य देवियों की झाँकी के उद्घाटन पश्चात् आरती करते हुए पूर्व मेयर इंद्रजीत मौर्य।

बहल-हरियाणा। विजयदशमी के अवसर पर नौ दुर्गा की झाँकी सजाई गई तथा रावण के दस विकारों को हवन-कुंड में स्वाहा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित रहे सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शकुंतला अन्य ब्र.कु.भाई बहनें।

नव-बदलाव की ओर ले जाती-नवरात्रि

धमतरी-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'घर बने मंदिर' विषयक नौ दिवसीय नवरात्रि महोत्सव के ऑनलाइन आयोजन के प्रथम दिन सायंकाल अपने-अपने घरों में शक्तियों का आह्वान कर ब्रह्माकु मारी बहनों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर ब्र.कु. प्राजक्ता ने कहा कि सिद्धि और साधना की दृष्टि से शारदीय नवरात्रि को ज़्यादा महत्वपूर्ण माना गया है। यह आध्यात्मिक और मानसिक सशक्तिकरण का विशेष पर्व है। इस पर्व के धार्मिक और वैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जिस प्रकार दीपक जलाने से अंधकार नष्ट हो जाता है, उसी प्रकार आत्मा की स्मृति का अखंड दीपक जलता रहे अर्थात् ये स्मृति रहे कि इस शरीर में विराजमान मैं चैतन्य दीपक आत्मा हूँ, मुझ आत्मा से शांति, प्रेम, शक्ति का प्रकाश चारो ओर फैल रहा है, तो इससे अशुद्ध शक्तियां जैसे काम, क्रोध आदि समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय परमात्मा शिव का इस धरा पर अवतरण हो चुका है। वे हमें अज्ञान निद्रा से जगा रहे हैं। जितना ज्ञान की रोशनी हमारे में बढ़ेगी तो विकारों का अंधकार खत्म होता जाएगा, और हम आत्मायें शक्तियों से सम्पन्न बन जायेंगी।

छतरपुर-म.प्र.। नवरात्रि के अवसर पर सजाई चैतन्य देवियों की झाँकी में आरती करते हुए स्थानीय संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. शैलजा तथा ब्र.कु. बहनें।

बोकारो-झारखण्ड। बोकारो स्टील प्लांट में एक्ज़ीक्युटिव्स एवं नॉन एक्ज़ीक्युटिव स्टाफ के लिए 'स्लीप मैनेजमेंट एवं मेंटल एम्पावरमेंट' विषयक ऑनलाइन कार्यक्रम में उपस्थित हैं मुख्य वक्ता ब्र.कु. विरेंदर,मा.आबू, जनरल मैनेजर,एच.आर.डी. नीता बा तथा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. कुसुम।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 12th Oct, 2020
स्वामी - प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, प्रकाशक - गंगाधर नरसिंघानी, मुद्रक - डी.बी. कॉर्प.लि. द्वारा भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस, डी.बी. कॉर्प.लि.,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित, सम्पादक - गंगाधर नरसिंघानी।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, आबू रोड(राज.)- 307510
See Latest News - www.omshantimedia.org